

केंद्रीय विद्यालय दिल्ली कैंट नंबर 2 में NIPUN लक्ष्य को लागू करने पर रिपोर्ट –

प्राइमरी सेक्शन। परिचय: NIPUN लक्ष्य पहल, जो राष्ट्रीय मिशन 'NIPUN भारत मिशन' से जुड़ी है, का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि शुरुआती सालों (कक्षा 1-3) में हर बच्चा कक्षा 3 के अंत तक बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता (FLN) हासिल कर ले। हमारे केंद्रीय विद्यालय ने प्राइमरी सेक्शन में शुरुआती सीखने के नतीजों को बेहतर बनाने के लिए इस मिशन को सक्रिय रूप से अपनाया है। उद्देश्य: ☐ छात्रों में समझ के साथ पढ़ने की क्षमता विकसित करना। ☐ बुनियादी संख्यात्मक कौशल जैसे नंबर सेंस और समस्या-समाधान विकसित करना। ☐ सर्वांगीण और आनंददायक सीखने के अनुभव सुनिश्चित करना। ☐ शुरुआती चरण में सीखने की कमियों की पहचान करना और उनमें मदद करना। लागू करने की रणनीतियाँ: 1. कक्षा की गतिविधियाँ ☐ गतिविधि-आधारित और अनुभव-आधारित सीखने के तरीकों का नियमित रूप से उपयोग। ☐ कहानी सुनाने, ज़ोर से पढ़ने और फोन्निक्स-आधारित शिक्षण पर ज़ोर। ☐ TLM (शिक्षण-अधिगम सामग्री) और डिजिटल संसाधनों का एकीकरण। 2. मूल्यांकन और निगरानी ☐ बेसलाइन, समय-समय पर और एंड-लाइन मूल्यांकन करना। ☐ क्षमता-आधारित मूल्यांकन के माध्यम से छात्र की प्रगति पर लगातार नज़र रखना। ☐ लक्षित हस्तक्षेप के लिए व्यक्तिगत प्रगति रिकॉर्ड बनाए रखना। 3. उपचारात्मक सहायता ☐ उपचारात्मक कक्षाओं के माध्यम से धीरे सीखने वाले छात्रों पर विशेष ध्यान। ☐ समझ को बेहतर बनाने के लिए सहकर्मी-सीखने (peer learning) और समूह गतिविधियों का उपयोग। 4. शिक्षकों की क्षमता निर्माण ☐ शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और FLN मॉड्यूल में भाग लेते हैं। ☐ स्कूल के भीतर सर्वोत्तम प्रथाओं और नवीन शिक्षण तकनीकों को साझा करना। 5. अभिभावकों की भागीदारी ☐ छात्र की प्रगति पर चर्चा करने के लिए नियमित PTM (अभिभावक-शिक्षक बैठकें)। ☐ घर पर सीखने में सहायता के लिए अभिभावकों को मार्गदर्शन। आयोजित गतिविधियाँ: ☐ पढ़ने के अभियान जैसे "रीड अलॉग" सत्र। ☐ नंबर गेम और गणित-आधारित मज़ेदार गतिविधियाँ। ☐ वर्कशीट, फ्लैशकार्ड और गतिविधि कोनों का उपयोग। ☐ साक्षरता और संख्यात्मकता सप्ताह का आयोजन। परिणाम: ☐ पढ़ने की क्षमता और समझ कौशल में उल्लेखनीय सुधार। ☐ बुनियादी गणितीय कार्यों में आत्मविश्वास बढ़ा। ☐ आनंददायक सीखने के तरीकों से छात्रों की भागीदारी बढ़ी। चुनौतियाँ: ☐ छात्रों के बीच सीखने के अलग-अलग स्तर। ☐ कुछ मामलों में अभिभावकों का सीमित सहयोग। ☐ अवधारणाओं को लगातार दोहराने की आवश्यकता। निष्कर्ष: हमारे केंद्रीय विद्यालय में NIPUN लक्ष्य को लागू करने से छात्रों की बुनियादी शिक्षा पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। लगातार कोशिशों, नियमित निगरानी और शिक्षकों व अभिभावकों के मिले-जुले सहयोग से, स्कूल सभी बच्चों में बुनियादी साक्षरता और संख्या-ज्ञान (न्यूमेरेसी) हासिल करने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है।